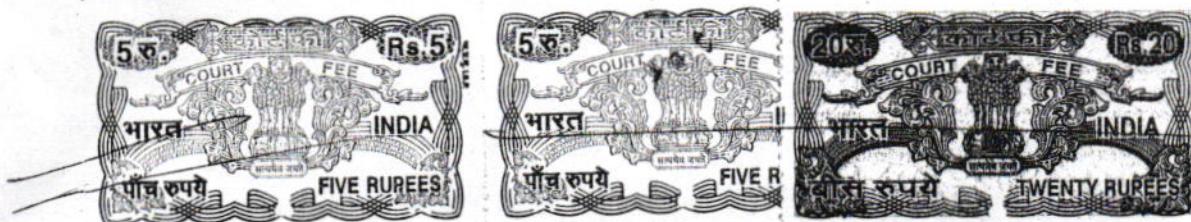


न्यायालय मे श्री मान राजेस्व मण्डल गवालियर मोपूर

(1) (ग)



- 1 सूकर मोहम्मद पिता मोहम्मद जमीर पेशा छेती निबासी ब्योहारी
 2 बसीर मोहम्मद पिता जमीर मोहम्मद पेशा छेती निबासी ब्योहारी
 3 भोला प्रसाद पिता रामदुलारे गुप्ता पेशा छेती निबासी ब्योहारी
 सभी का जिला शहडोल मोपूर ----- अपीलाथी/आबेदक गण
 बनाम

- 1 चन्द्रबुम्ह पिता बीरेन्द्र सिंह पेशा छेती निबासी ग्राम ब्योहारी
 2 राजेश्वरीकुमार पिता रामकृष्णगुप्ता निबासी ग्राम ब्योहारी
 3 तुलसी दास पिता रामसनेही निबासी ग्राम ब्योहारी

~~मामूली उमार पत्रक, आमा~~
 द्वारा दाता 10/9/15
 द्वारा दाता 10/9/15

उक्त तीनों का जिला शहडोल मोपूर-- रेष्पान्टेन्ट गण

प्रस्तुत
 जिगरानी बिल्ड अपील रा०पू० २१/अ/८/
 २०१०-१। अंतिरिम जादेजी दिनांक- 6/8/15 अनु
 अधिकारी महोदेश ब्योहारी जिला शहडोल मोपूर

=====

मान्यबर,

बिन्दु है कि रेष्पा०पू०/अनाबेदक० 1, 2, 3 द्वारा अनुबिभागीय अधिकारी महोदेश ब्योहारी के न्यायालय मे नामान्तरण पंजी क०/2 पुमाणी करण दिनांक- 10/11/2004 आराजी ग्राम ब्योहारी तहसील ब्योहारी जिला शहडोल मोपूर के बिल्ड अपील अबधि के बाहर प्रस्तुत किया गया था तथा धारा 5म्याद अधिनियम का प्रार्था पत्र प्रस्तुत किया गया था उक्त अपील मे नामान्तरण पंजी की पुमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं किया गया था अपील जानबूझकर काफी बिलम्ब से प्रस्तुत किया गया था। अनुबिभागीय अधिकारी ब्योहारी द्वारा रेष्पा०पू० 1, 2, 3 से प्रभावित होकर अपील को अबधि के अन्दर स्वीकार करते हुये अपील को गाह्य

✓

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग—अ

प्रकरण क्रमांक निग0 3060—तीन / 2015

जिला—शहडोल

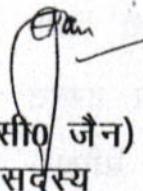
स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
12-9-16	<p>आवेदक अभिभाषक श्री कुंवर सिंह कुशवाह द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, ब्योहारी के प्र0 क्र0 21/अ/छ/2010-11 में पारित आदेश दिनांक 06.08.15 के विरुद्ध म0प्र0भ०रा0स0 की धारा 50 के अन्तर्गत यह निगरानी प्रस्तुत की है।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक को ग्रहयता के बिन्दु पर सुना गया। आवेदक अभिभाषक ने अपने तर्कों में बताया कि अनावेदकगण द्वारा अनुविभागीय अधिकारी, ब्यौहारी के न्यायालय में नामांतरण पंजी क्र0 2 प्रमाणिकरण दिनांक 10.11.2004 आराजी ग्राम ब्यौहारी तहसील ब्यौहारी जिला—शहडोल के विरुद्ध अपील अवधि बाहर प्रस्तुत किया था तथा धारा 5 म्याद अधिनियम का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। उक्त अपील में नामांतरण पंजी की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं किया गया। अपील जानबूझकर काफी विलम्ब से प्रस्तुत किया गया था। अनुविभागीय अधिकारी ब्यौहारी द्वारा अनावेदकगण से प्रभावित होकर अपील को अवधि के अन्दर स्वीकार करते हुये अपील को ग्राह्य कर लिया गया। उक्त आदेश में काफी अनियमितता एवं अवैधानिकता है। नामांतरण पंजी क्र0 2 का आदेश प्रमाणिकरण दिनांक 10.11.04 को किया गया था। जबकि अधीनस्थ न्यायालय में 6</p>	

M✓

५

वर्ष बाद अपील प्रस्तुत किया गया है। आवेदकगण द्वारा उक्त नामांतरण पंजी की प्रति लेने की अर्जी दिनांक 22.02.2010 को दिया जाना बताया जाता है। अनावेदकगण द्वारा पंजी की नकल लेने की अर्जी नहीं लगाया गया था, जबकि अनावेदकगण द्वारा अपील मेमों के साथ नामांतरण पंजी की नकल की छायाप्रति लगाया गया था, जिसका कोई महत्व नहीं है। किन्तु अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अनावेदकगण हित में आदेश पारित करने में त्रुटि की है, ऐसा आदेश निरस्त किये जाने योग्य है। अतएव निगरानी स्वीकार योग्य है।

3/ आवेदक अभिभाषक के तर्कों पर विचार किया गया तथा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, ब्योहारी के आदेश का अवलोकन करने पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, ब्योहारी द्वारा आदेश पारित करने में कोई त्रुटि नहीं की है। इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं। न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर का आदेश स्थिर रखा जाता है। इसी स्तर पर प्रस्तुत निगरानी प्रचलन योग्य न होने से निरस्त की जाती है।

✓

(के०सी० जैन)
सदस्य